एदोम देश व एदोमी लोग

एसाव जो एदोम भी कहलाता है, वही एदोम जाति या एदोमियों का मूल पिता हुआ। इब्राहीम का पोता, इसहाक और रिबका का ज्येष्ठ पुत्र और याकूब का बड़ा एवं जुड़वा भाई एसाव था जिसने अपना पहलौठे का अधिकार अपने छोटे भाई याकूब को बेच दिया था। इसके वंशज एदोमी कहलाये। बाइबल अध्ययन से ज्ञात होता है कि एदोमी लोग कालान्तर में निरन्तर याकूब के वंशज इस्राएलियों का विरोध करते रहे और उनसे लड़ते रहे, जैसा कि बाइबल के निम्नलिखित सन्दर्भों से स्पष्ट होता है।

क्र.	घटना	बाइबल सन्दर्भ
१	एदोम देश में से होकर जाने के लिए मूसा के आग्रह को एदोमियों ने अस्वीकार कर दिया था।	गिनती २०:१४-२०
२	एदोमियों ने शाऊल राजा का सामना किया	१ शमूएल १४:४७
३	एदोमी दाऊद के विरूद्ध लड़े	२ शमूएल ८:१४
४	एदोमियों ने सुलैमान के विरूद्ध विद्रोह किया	१ राजा ११:१४
५	एदोमियों ने यहोशापात का विरोध किया	२ इतिहास २०:२२
६	एदोमियों ने यहोराम के विरूद्ध विद्रोह किया	२ इतिहास २१:८

१३वीं सदी ई.पू. से ६वीं शताब्दी ई.पू. तक एदोमी, सेईर पर्वत पर बसे रहे, जो मृत सागर के दक्षिण की ओर एक पर्वतीय क्षेत्र है। एदोम की सीमा यहूदा की दक्षिणी सीमा से मिली हुई है। इसकी राजधानी सेला (पेट्रा) थी। ओबद्याह १:३-४ के अनुसार वह भू-भाग बहुत ऊँचा-नीचा है। जिस घाटी में पेट्रा स्थित है, एक झरना बहते हुए सकरे पहाड़ी दर्रे, जो २००-२५० फुट या ६१-६७ मी. ऊँची सीधी खड़ी पर्वतीय दीवारों से घिरा है, से होकर ही पहुँचा जा सकता है।

४थी या ५वीं सदी ई.पू. के दौरान नबातियों नामक एक अरब जाति जो उत्तर पूर्वी अरब के रेगिस्तान में रहती थी ने, एदोमियों को उनके क्षेत्र से हटा दिया तथा उन्हें दक्षिणी फिलिस्तीन के इदूमिया में भेज दिया एवं एदोम देश पर प्रभुत्व स्थापित कर लिया। हेरोदेस महान् भी एक एदोमी था।

बाइबल की ३१वीं पुस्तक ओबद्याह है जो ओबद्याह द्वारा ही लिखी गई थी। ओबद्याह का अर्थ "प्रभु का सेवक" है। इस पुस्तक में एदोम के विषय में भविष्द्ववाणी की गई है। ओबद्याह पुराने नियम की सबसे छोटी पुस्तक है जिसमें सिर्फ १ अध्याय एवं मात्र २१ पद हैं। इस पुस्तक का उद्देश्य यह बताना है कि एदोम का न्याय हो चुका है, और उसका विनाश निश्चित है, क्योंकि यरूशलेम की दुर्गति पर आनंदित होने में एदोम ने गर्व महसूस किया था। इसलिए ओबद्याह की पुस्तक में एदोम को दण्ड, दण्ड का कारण, परमेश्वर का न्याय और इस्राएल की विजय के विषय में भविष्द्ववाणी की गई है।